

प्रेषक,

आलोक कुमार,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
राज्य योजना आयोग/  
नियोजन निदेशालय,  
उत्तरांचल, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून: दिनांक: 10 अगस्त, 2004

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए अनुदान संख्या-07 के लेखाशीर्षक-3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि का आवंटन/स्वीकृति।  
महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तरांचल शासन के शासनादेश संख्या-554/वि0अनु0-1/2004, दिनांक 30 जुलाई, 2004 एवं शासनादेश संख्या-142/01-नि0अनु0/2004, दिनांक 01 अप्रैल, 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष-2004-05 के लिए अनुदान-07, लेखाशीर्षक-"3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें" के अन्तर्गत बचनबद्ध मदों हेतु संलग्न विवरणानुसार आयोजनेत्तर पक्ष में निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत विभागीय शासनादेश दिनांक 01 अप्रैल, 2004 (लेखानुदान के अन्तर्गत दिनांक 01 अप्रैल, 2004 से 31 जुलाई, 2004 तक निर्गत धनराशि को समायोजित करते हुए) में उल्लिखित मानक मदों के सम्मुख अंकित कुल धनराशि रुपये 76,49,000/- (रुपये छिहत्तर लाख उन्नचास हजार मात्र) को आपके निर्वहन पर रखते हुए व्यय करने की महामहिम राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए अधिकृत धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजना पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग वित्तीय वर्ष 2004-05 की नई मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में बजट मैनुवल, स्टोर परचेज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा।
- 3- यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय नहीं किया जायेगा जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुवल के नियमों के अन्तर्गत राक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।
- 4- संलग्न वर्णित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करें कि धनराशियों को परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दिया जाय तथा व्यय का विवरण यथा समय प्रत्येक माह बी0एम-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

5- अबचनबद्ध मदें अथवा समस्त चालू निर्माण कार्य, उपकरण एवं संयंत्र का क्रय तथा वाहन आदि के क्रय की स्वीकृति पर शासन की सहमति नितान्त आवश्यक है।

6- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेंजिंग (त्रैमास के आधार पर) नियोजन विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में एकमुश्त स्वीकृतियां जारी करने के पूर्व बजट मनुअल के पैरा-94 में उल्लिखित निर्देशों का अनुपालन कड़ाई से किया जायेगा। यदि इसे पूरा नहीं किया जायेगा तो वित्तीय अनियमितता माना जायेगा।

7- यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

8- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07, लेखाशीर्षक-3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें-092-अन्य कार्यालय-03-नियोजन अधिष्ठान की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

( आलोक कुमार )  
अपर सचिव।

संख्या- 66 (1)/01/XXVI/2004, तददिनांक।


प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिंग, पटेल नगर, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

( टीकम सिंह पंवार )  
उप सचिव।

| अनुदान संख्या—७   | आयोजनेत्तर<br>(धनराशि हजार रुपये में)  |
|---|--|
| ३४५१—सचिवालय आर्थिक सेवायें<br>०९२—अन्य कार्यालय<br>०३—नियोजन अधिष्ठान<br>०१—वेतन<br>०२—मजदूरी<br>०३—महंगाई भत्ता<br>०४—यात्रा व्यय<br>०५—स्थानान्तरण यात्रा व्यय<br>०६—अन्य भत्ते<br>०८—कार्यालय व्यय<br>०९—विद्युत देय<br>१०—जलकर/जलप्रभार<br>११—लेखन सामग्री/फार्मों की छपाई<br>१३—टेलीफोन पर व्यय<br>१५—गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद<br>१७—किराया उप शुल्क और कर स्वामित्व<br>४७—कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्संबंधी स्टेशनरी कय<br>४८— महंगाई वेतन | <br><br><br><br>३५००<br>५०<br>५२५<br>१८०<br>५०<br>३४४<br>४००<br>१००<br>२०<br>१८०<br>२५०<br>४००<br>३००<br>१००<br>१२५० |
| योग— (रुपये छिहत्तर लाख उन्नचास हजार मात्र)   | ७६४९   |

  
 ( टीकम सिंह पंवार )  
 उप सचिव